शख्सियत – वी. अनुराधा सिंह

शास्त्रीय कथक नृत्यांगना

वी.अनुराधा सिंह, शास्त्रीय संगीत की दुनिया में सबसे प्रशंसित शास्त्रीय कत्थक नृत्यांगना है । आप मध्यप्रदेश की पहली शास्त्रीय कथक नृत्यांगना हैं जिन्होंने अब तक सर्वाधिक प्रतिष्ठित महात्सवों में अतिसफल शास्त्रीय कथक प्रदर्शन किए हैं (लगभग 200 से अधिक) । आपने शास्त्रीय कथक नृत्य को अपने अति सफल प्रदर्शनों द्वारा नई ऊंचाईयों तक पहुँचाया है ।

आपने 5 वर्ष की अल्प आयु से ही कथक नृत्य की शिक्षा लेना प्रारम्भ करी । आपने मेडिकल क्षेत्र में चयनित होने के बाद उसे त्याग दिया व कथक के क्षेत्र में निरंतर साधना करती रहीं। आपको म.प्र. शासन की 4 वर्ष की छात्रवृत्ति कथक नृत्य हेतु मिली । आपने चक्रधर केन्द्र में गुरू स्व. पं0 कार्तिकराम व पं0 रामलाल जी से कथक की गहन शिक्षा ली । आपने कथक में स्नातकोत्तर की उपाधि सन् 1991 में एम.ए.– कथक नृत्य, स्वर्णपदक सहित इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय से हासिल की ।

आपने सन् 1987 में पहला मंच प्रदर्शन ''भारत महोत्सव रूस'' में किया जिसमें भारत सरकार ने आपको मास्को भेजा ।

शास्त्रीय कथक के प्रचार व प्रसार के लिए अनेक सम्मानों से अलंकृत किया गया । जिनमें से कुछ हैं – वाकणकर सम्मान 1991, कला मनीषी सम्मान, राजीव गांधी राष्ट्रीय एकता सम्मान 2004, अन्तर्राष्ट्रीय महिला उत्कृष्टता पुरस्कार 2008, राय प्रवीण सम्मान 2008, तूलिका सम्मान, अभिनव कला सम्मान 2009, कला साधना सम्मान 2009, इंदिरा गांधी प्रियदर्शिनी अवार्ड 2009, वूमन ऑफ भोपाल अवार्ड 2010 आदि हैं ।

आप शास्त्रीय कथक की ऊर्जावान सक्रिय मंच कलाकार हैं जो अनवरत् सन् 1987 से अब तक भारत के लगभग सभी प्रतिष्ठित 200 महोत्सवों में अति सफल मंच प्रस्तुति के लिए जानी जाती हैं । आपने अमेरिका, जर्मनी, फ्रांस, सिंगापुर व पाकिस्तान में भी कथक के अति सफल एकल नृत्य प्रदर्शन किए हैं । आप रायगढ़ घराने की एकमात्र नृत्यांगना हैं जिन्होंने अनवरत् दीर्घसाधना द्वारा रायगढ़ शैली को सम्पूर्ण जगत में प्रचारित किया व सफलता पाई । हाल ही में अनुराधा सिंह ने सौ से अधिक अति प्रतिष्ठित महोत्सव में कथक के मनोहारी प्रदर्शन किए हैं जिनमें कुछ निम्न हैं:–